Demand for quicker and long-term strategy for solving Drinking Water Problem in Uttaranchal

श्री हरीश रावत (उत्तरांचल): महोदया, उत्तरांचल राज्य के अधिकांश भागों में पेयजल संकट की स्थिति पैदा होती जा रही है। वर्षो पहले जो पेयजल योजनाएं निर्मित हुई थीं, जल स्त्रोतों के सूखने या योजनाओं के तकनीकी रुप से क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल संकट और गहरा होता जा रहा है। राज्य सरकार अपने सीमित संसाधनों से इस स्थिति का मुकाबला करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार के प्रयासों में केन्द्र सरकार से उदार सहायता अपेक्षित है। राज्य सरकार ने केन्द्र सरकार के पास विभिन्न योजनाओं के तहत पेयजल योजनाओं के कई प्रस्ताव भेजे हैं जिनमें अतिरिक्त हैंड-पम्पों को लगाए जाने का प्रस्ताव भी सम्मिलित है। केन्द्र सरकार को चाहिए कि राज्य सरकार के परामर्श से इस क्षेत्र में पेयजल समस्या के समाधान के लिए त्वरित व दीर्घकालीन दोनों प्रकार के कार्यक्रम तैयार करें।

हिमाचल का यह क्षेत्र कई महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम स्थल है। यहां की हिमानी नदियां उत्तरी भारत की जीवन रेखाएं हैं। हिमालय के इस क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षो से जलवायु में आ रहे परिवर्तनों के फलस्वरुप धीरे धीरे ग्लेशियर घट रहे हैं और प्रति वर्ष हिमपात और वर्षा का औसत भी घट रहा है। इसका एक बड़ा कारण उत्तरांचल और उसकी तलहटी में पेड़ कटान और आग से जगंलो को पहुंच रहा नुकसान भी है। आबादी के बढ़ते दबाव के कारण वनों का कटाव रोकना राज्य सरकार के लिए कठिन हो रहा है। विकास और आबादी के दबाव को कम करने के लिए इस क्षेत्र के लिए विशेष प्रकार की विकास की रणनीति बनाना समय की आवश्यकता है। राज्य सरकार के लिए अपने संसाधनों से ऐसी कोर्ड रणनीति बनाना संभव नहीं है अतः केन्द्र सरकार यहां की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आवश्यक धन दे और आवश्यक मदद करें। धन्यवाद।

THE DEPUTY CHAIRMAN : We will now have the reply on the discussion on the working of the Ministry of Agriculture. Shri Ajit Singh.

DISCUSSION ON THE WORKING OF THE MINISTRY OF AGRICULTURE

THE MINISTER OF AGRIUCLTURE (SHRI AJIT SINGH) : Madam Deputy Chairperson, yesterday this House discussed for over four hours the working of the Ministry of Agriculture. Many Members highlighted the problems being 'aoed by farmers very eloquently, with logic, with feelings, and some hon. Members also gave very good suggestions. As is usual, when you discuss agriculture, when you discuss the plight of farmers...

श्री खान गुफ़रान जाहिदी (उत्तर प्रदेश): मंत्री जी किसानों की जुबान में बोलें।